

Journey to the End of the Earth

By : Tishani Doshi

Introduction

"Journey to the End of the Earth" is a travelogue written by the Indian writer Tishani Doshi. In this story, she describes her journey to Antarctica, the coldest, driest, and windiest continent on Earth. Through this journey, she shares her thoughts about the history of our planet, the importance of the environment, and how human actions are changing the Earth.

"जर्नी टू द एंड ऑफ द अर्थ" भारतीय लेखिका तिशानी दोशी द्वारा लिखा गया एक यात्रा-वृत्तांत है। इस कहानी में वे अपने अंटार्कटिका (दुनिया का सबसे ठंडा, शुष्क और तेज़ हवाओं वाला महाद्वीप) की यात्रा का अनुभव बताती हैं। इस यात्रा के माध्यम से वे हमारे ग्रह के इतिहास, पर्यावरण के महत्व और मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी में हो रहे परिवर्तनों पर विचार करती हैं।

The Journey Begins

The author joined an educational program called "Students on Ice", which takes young students to Antarctica to make them understand the importance of environmental balance. The journey was long and tiring. She traveled from Madras (Chennai) to Antarctica, crossing many time zones and oceans — from the warm, crowded lands of Asia to the icy white deserts of the South Pole.

लेखिका "स्टूडेंट्स ऑन आइस" नामक एक शैक्षणिक कार्यक्रम में शामिल हुईं, जो छात्रों को अंटार्कटिका ले जाकर पर्यावरणीय संतुलन का महत्व समझाता है। यह यात्रा बहुत लंबी और थकाऊ थी। उन्होंने मद्रास (चेन्नई) से अंटार्कटिका तक कई समय क्षेत्रों और महासागरों को पार किया — एशिया की गर्म और भीड़भरी भूमि से लेकर दक्षिण ध्रुव के बर्फीले सफ़ेद रेगिस्तान तक।

Reaching Antarctica

After traveling for almost two weeks, she finally reached the icy continent. The sight of Antarctica amazed her — miles and miles of white ice, no trees, no buildings, no noise, and no signs of human life. Everything was silent and pure. She felt that she had reached a place that looked like the beginning of the planet itself — untouched and natural.

लगभग दो सप्ताह की यात्रा के बाद, वह अंततः इस बर्फीले महाद्वीप पर पहुँची। अंटार्कटिका का दृश्य देखकर वह चकित रह गईं — चारों ओर फैली सफ़ेद बर्फ़, न कोई पेड़, न इमारतें, न शोर और न ही मानव जीवन का कोई चिन्ह। सब कुछ शांत और स्वच्छ था। उन्हें ऐसा लगा जैसे वह उस स्थान पर पहुँच गई हों, जो पृथ्वी की शुरुआत जैसा है — अनछुआ और प्राकृतिक।

History of the Earth

The author explains that millions of years ago, all the continents of the world were joined together as one huge landmass called Gondwana Land. Later, due to the movement of tectonic plates, this landmass broke apart and formed the continents we know today. Antarctica was once part of this land and was full of forests and living creatures.

लेखिका बताती हैं कि लाखों साल पहले पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक साथ मिलकर एक विशाल भू-खंड के रूप में थे, जिसे गोंडवाना लैंड कहा जाता था। बाद में पृथ्वी की प्लेटों की हलचल के कारण यह भू-खंड टूट गया और आज के महाद्वीप बने। अंटार्कटिका भी इसी भूमि का हिस्सा था और उस समय यहाँ जंगल और जीव-जंतु रहते थे।

From Green Land to Ice Desert

When Antarctica drifted to the South Pole, its climate changed completely. The forests disappeared, the land became covered with thick ice, and it turned into a frozen desert. This change reminds us that climate change is a natural process, but human actions are now speeding it up dangerously.

जब अंटार्कटिका दक्षिण ध्रुव की ओर खिसक गया, तो उसका मौसम पूरी तरह बदल गया। जंगल गायब हो गए, भूमि मोटी बर्फ से ढक गई और यह एक जमे हुए रेगिस्तान में बदल गया। यह परिवर्तन हमें याद दिलाता है कि जलवायु परिवर्तन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन आज मानव गतिविधियाँ इसे खतरनाक रूप से तेज़ कर रही हैं।

Human Impact on the Earth

The author feels that humans have done too much damage to nature in a very short time — through deforestation, pollution, and industrialization. We are cutting down forests, polluting rivers and air, and melting ice caps through global warming. Antarctica is now the best place to study these changes because it still remains mostly untouched by humans.

लेखिका महसूस करती हैं कि मनुष्य ने बहुत कम समय में प्रकृति को अत्यधिक नुकसान पहुँचाया है — जंगलों की कटाई, प्रदूषण और औद्योगीकरण के माध्यम से। हम नदियों और हवा को प्रदूषित कर रहे हैं और ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ की चादरें पिघला रहे हैं। अंटार्कटिका अब इन परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए सबसे अच्छा स्थान है, क्योंकि यह अब भी अधिकांशतः मानव गतिविधियों से अछूता है।

Importance of Antarctica

Antarctica is like a time machine — it helps scientists understand how the Earth's climate has changed over millions of years. The ice layers there hold information about past climates and air composition. By studying these ice cores, scientists can predict future climate trends and understand how to protect the planet.

अंटार्कटिका एक समय मशीन की तरह है — यह वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद करता है कि पृथ्वी का जलवायु लाखों वर्षों में कैसे बदला। वहाँ की बर्फ की परतों में पुराने वातावरण और हवा की संरचना की जानकारी होती है। इन बर्फ के नमूनों का अध्ययन करके वैज्ञानिक भविष्य की जलवायु की दिशा जान सकते हैं और पृथ्वी की रक्षा के उपाय ढूँढ सकते हैं।

Life on the Ship

During the journey, the author lived on a Russian research ship named Akademik Shokalskiy. There were students from all over the world. They studied the ecosystem, glaciers, and marine life. They saw whales, seals, and penguins in their natural environment. The students learned how every element of nature — air, water, ice, and life — is connected.

यात्रा के दौरान, लेखिका एक रूसी अनुसंधान जहाज़ अकादमिक शोकाल्स्की पर रहीं। वहाँ दुनिया भर से आए विद्यार्थी थे। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र, ग्लेशियर और समुद्री जीवन का अध्ययन किया। उन्होंने व्हेल, सील और पेंगुइन को उनके प्राकृतिक वातावरण में देखा। छात्रों ने सीखा कि प्रकृति का हर तत्व — हवा, पानी, बर्फ और जीवन — आपस में जुड़ा हुआ है।

The Drake Passage Experience

On the way to Antarctica, they crossed the Drake Passage, which separates South America from Antarctica. It is one of the roughest seas in the world. The author felt the power of nature there — the wild waves, strong winds, and endless ocean made her realize how small and fragile humans are compared to nature.

अंटार्कटिका जाते समय उन्होंने ड्रेक पैसेज पार किया, जो दक्षिण अमेरिका और अंटार्कटिका के बीच स्थित है। यह दुनिया के सबसे उग्र समुद्री मार्गों में से एक है। वहाँ की भयंकर लहरें, तेज़ हवाएँ और अनंत समुद्र ने लेखिका को यह महसूस कराया कि प्रकृति के सामने मनुष्य कितना छोटा और असहाय है।

Life Forms in Antarctica

Even though Antarctica looks lifeless, it actually supports many forms of life — like lichens, mosses, algae, krill, seals, whales, and penguins. The author understood that even in extreme conditions, life

finds a way to survive. This taught her about the balance of nature and the interdependence of species.

हालाँकि अंटार्कटिका देखने में निर्जीव लगता है, लेकिन वहाँ वास्तव में कई जीव रूप मौजूद हैं — जैसे लाइकेन, कार्प, शैवाल, क्रिल, सील, व्हेल और पेंगुइन। लेखिका ने समझा कि अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी जीवन अपने अस्तित्व का रास्ता ढूँढ़ लेता है। इससे उन्हें प्रकृति के संतुलन और प्रजातियों की पारस्परिक निर्भरता का ज्ञान हुआ।

Lessons for the Students

The students learned more from nature in a few days than from years of classroom teaching. They realized that every action of humans affects the planet — melting ice in Antarctica can raise sea levels and flood many cities. The trip made them aware that protecting the environment is not just a choice but a necessity.

छात्रों ने कुछ ही दिनों में प्रकृति से जितना सीखा, वह कक्षा में वर्षों की पढ़ाई से भी अधिक था। उन्हें समझ आया कि मनुष्य की हर क्रिया पृथ्वी को प्रभावित करती है — अंटार्कटिका की बर्फ पिघलने से समुद्र का स्तर बढ़ सकता है और कई शहर डूब सकते हैं। इस यात्रा ने उन्हें यह एहसास कराया कि पर्यावरण की रक्षा करना कोई विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है।

Message of the Story

The main message of this story is that we must understand our planet's history to protect its future. The author believes that if we do not respect nature and continue to exploit it, we will destroy the delicate balance that keeps life alive. Antarctica stands as a warning and a lesson for humanity.

कहानी का मुख्य संदेश यह है कि हमें अपने ग्रह का अतीत समझना होगा ताकि उसका भविष्य सुरक्षित किया जा सके। लेखिका का मानना है कि यदि हम प्रकृति का सम्मान नहीं करेंगे और उसका दोहन जारी रखेंगे, तो हम उस नाजुक संतुलन को नष्ट कर देंगे जो जीवन को संभव बनाता है। अंटार्कटिका मानवता के लिए एक चेतावनी और सीख के रूप में खड़ा है।

Conclusion

At the end of the journey, Tishani Doshi felt transformed. She realized that the trip was not just about visiting a new place — it was about understanding the planet and our role in it. Antarctica taught her humility, awareness, and the urgent need to care for the Earth.

यात्रा के अंत में तिशानी दोशी ने खुद को बदला हुआ महसूस किया। उन्हें एहसास हुआ कि यह यात्रा केवल एक नए स्थान पर जाने की नहीं थी, बल्कि यह पृथ्वी और उसमें हमारी भूमिका को समझने की यात्रा थी। अंटार्कटिका ने उन्हें विनम्रता, जागरूकता और पृथ्वी की देखभाल की तात्कालिक आवश्यकता का संदेश दिया।

Final Thought

Through this travelogue, the author reminds us that we are just a small part of this great planet. To live in harmony with nature, we must protect and respect it — before it's too late.

इस यात्रा-वृत्तांत के माध्यम से लेखिका हमें याद दिलाती हैं कि हम इस विशाल ग्रह का केवल एक छोटा हिस्सा हैं। प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीने के लिए हमें उसका संरक्षण और सम्मान करना होगा — इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

:: Short Answer type Questions ::

1. Question: Why did Tishani Doshi visit Antarctica?

Answer: Tishani Doshi visited Antarctica as part of the educational program "Students on Ice," to study and understand the effects of global warming and climate change on the Earth.

प्रश्न 1: तिशानी दोशी अंटार्कटिका क्यों गई?

उत्तर: तिशानी दोशी "स्टूडेंट्स ऑन आइस" नामक शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत अंटार्कटिका गई थीं ताकि वे पृथ्वी पर ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझ सकें।

2. Question: What is the main aim of the 'Students on Ice' program?

Answer: The main aim of the 'Students on Ice' program is to educate young students about the importance of environmental balance and to make them aware of climate change by visiting Antarctica.

प्रश्न 2: 'स्टूडेंट्स ऑन आइस' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर: इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा छात्रों को पर्यावरणीय संतुलन का महत्व सिखाना और अंटार्कटिका की यात्रा के माध्यम से उन्हें जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक बनाना है।

3. Question: How is Antarctica different from other places on Earth?

Answer: Antarctica is the coldest, driest, and windiest continent. It has no trees, no human population, and is covered entirely with ice, making it unique and untouched by humans.

प्रश्न 3: अंटार्कटिका पृथ्वी के अन्य स्थानों से कैसे अलग है?

उत्तर: अंटार्कटिका सबसे ठंडा, शुष्क और तेज़ हवाओं वाला महाद्वीप है। वहाँ न पेड़ हैं, न मानव बस्तियाँ, और वह पूरी तरह बर्फ से ढका है, जिससे वह विशिष्ट और मानव हस्तक्षेप से अछूता है।

4. Question: What does the author mean by calling Antarctica a "time machine"?

Answer: The author calls Antarctica a "time machine" because its ice layers preserve the history of Earth's climate for millions of years, helping scientists study the past and predict the future.

प्रश्न 4: लेखिका ने अंटार्कटिका को "टाइम मशीन" क्यों कहा है?

उत्तर: क्योंकि अंटार्कटिका की बर्फ की परतों में पृथ्वी के लाखों वर्षों के जलवायु इतिहास की जानकारी सुरक्षित है, जो वैज्ञानिकों को अतीत समझने और भविष्य का अनुमान लगाने में मदद करती है।

5. Question: What did the students learn from their journey to Antarctica?

Answer: The students learned about the importance of ecological balance, interdependence of life forms, and the serious effects of human actions on the environment.

प्रश्न 5: छात्रों ने अंटार्कटिका की यात्रा से क्या सीखा?

उत्तर: छात्रों ने पारिस्थितिक संतुलन के महत्व, जीव-जंतुओं की पारस्परिक निर्भरता, और मानव गतिविधियों के पर्यावरण पर गहरे प्रभाव के बारे में सीखा।

6. Question: What is the significance of studying Antarctica today?

Answer: Studying Antarctica helps us understand global warming, melting ice caps, and rising sea levels — all of which affect life on Earth.

प्रश्न 6: आज के समय में अंटार्कटिका का अध्ययन करना क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: अंटार्कटिका का अध्ययन हमें ग्लोबल वार्मिंग, पिघलती बर्फ की चादरों और बढ़ते समुद्र स्तर को समझने में मदद करता है — जो पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित करते हैं।

7. Question: What did the author experience while crossing the Drake Passage?

Answer: While crossing the Drake Passage, the author experienced the roughest seas and realized the immense power of nature compared to human weakness.

प्रश्न 7: लेखिका ने ड्रेक पैसेज पार करते समय क्या अनुभव किया?

उत्तर: ड्रेक पैसेज पार करते समय लेखिका ने समुद्र की उग्र लहरों का सामना किया और महसूस किया कि प्रकृति की शक्ति के सामने मनुष्य कितना कमजोर है।

8. Question: How does Antarctica help in understanding climate change?

Answer: Antarctica's untouched environment and ancient ice layers provide clear evidence of how climate and temperature have changed over millions of years.

प्रश्न 8: अंटार्कटिका जलवायु परिवर्तन को समझने में कैसे मदद करता है?

उत्तर: अंटार्कटिका का अछूता वातावरण और प्राचीन बर्फ की परतें यह साक्ष्य देती हैं कि लाखों वर्षों में जलवायु और तापमान कैसे बदलते रहे हैं।

9. Question: What message does Tishani Doshi convey through this story?

Answer: She conveys that human beings must respect nature and maintain ecological balance; otherwise, they will destroy the planet's future.

प्रश्न 9: तिशानी दोशी इस कहानी के माध्यम से क्या संदेश देना चाहती हैं?

उत्तर: वे यह संदेश देना चाहती हैं कि मनुष्यों को प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना चाहिए, वरना वे पृथ्वी के भविष्य को नष्ट कर देंगे।

10. Question: What lesson did the author learn from her journey to Antarctica?

Answer: The author learned humility and awareness — that humans are just a small part of nature, and protecting the Earth is everyone's responsibility.

प्रश्न 10: लेखिका ने अंटार्कटिका की यात्रा से क्या सीख ली?

उत्तर: लेखिका ने विनम्रता और जागरूकता सीखी — कि मनुष्य प्रकृति का केवल एक छोटा हिस्सा है और पृथ्वी की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है।

:: Long Answer type Questions ::**1. Question: Describe Tishani Doshi's journey to Antarctica and her experiences there.**

Answer: Tishani Doshi's journey to Antarctica was part of the educational program "Students on Ice." She traveled from India to Antarctica, crossing oceans and the Drake Passage. On arrival, she was amazed by the vast, silent, icy landscape. She observed glaciers, marine life, and the harsh climate. Living on a research ship, she interacted with students from around the world and studied penguins, whales, and seals in their natural environment. The journey helped her understand the fragility of life, the interdependence of species, and the importance of environmental balance. The experience made her realize the power of nature and the impact of human activities on the Earth.

तिशानी दोशी की अंटार्कटिका यात्रा "स्टूडेंट्स ऑन आइस" कार्यक्रम का हिस्सा थी। उन्होंने भारत से अंटार्कटिका की यात्रा की, महासागरों और ड्रेक पैसेज को पार किया। वहाँ पहुँचकर वह विशाल, शांत और बर्फ से ढकी भूमि देखकर आश्चर्यचकित हो गईं। उन्होंने ग्लेशियर, समुद्री जीवन और कठोर मौसम का अनुभव किया। अनुसंधान जहाज़ पर रहते हुए उन्होंने दुनिया भर के छात्रों से संपर्क किया और पेंगुइन, व्हेल और सील का अध्ययन उनके प्राकृतिक वातावरण में

किया। इस यात्रा ने उन्हें जीवन की नाजुकता, प्रजातियों की पारस्परिक निर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन का महत्व समझाया। इस अनुभव ने उन्हें प्रकृति की शक्ति और मानव गतिविधियों के पृथ्वी पर प्रभाव का एहसास कराया।

2. Question: How does Antarctica help scientists understand climate change?

Answer: Antarctica is crucial for studying climate change because its ice sheets contain layers that preserve information about the Earth's past climate. These ice cores reveal data about temperature, air composition, and historical changes over millions of years. By analyzing these layers, scientists can understand how climate patterns have shifted naturally and how human activities are accelerating changes. Antarctica's largely untouched environment provides a clear picture of global warming, melting ice caps, and rising sea levels. Observing glaciers, icebergs, and wildlife also helps scientists study ecosystem changes. Therefore, Antarctica serves as both a laboratory and a warning for humanity about the urgent need to protect our planet.

अंटार्कटिका जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी बर्फ की परतें पृथ्वी के अतीत के जलवायु इतिहास की जानकारी सुरक्षित करती हैं। इन बर्फ के नमूनों में तापमान, वायु संरचना और लाखों वर्षों में हुए परिवर्तनों का डेटा मिलता है। इन परतों का विश्लेषण करके वैज्ञानिक यह समझ सकते हैं कि जलवायु पैटर्न प्राकृतिक रूप से कैसे बदलते रहे और मानव गतिविधियाँ इसे कैसे तेज कर रही हैं। अंटार्कटिका का अधिकांशतः अछूता वातावरण ग्लोबल वार्मिंग, पिघलती बर्फ और समुद्र स्तर में वृद्धि की स्पष्ट जानकारी देता है। ग्लेशियर, हिमखंड और जीव-जंतुओं का अध्ययन करके पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव को भी समझा जा सकता है। इसलिए, अंटार्कटिका मानवता के लिए प्रयोगशाला और चेतावनी दोनों है।

3. Question: What message does Tishani Doshi convey through her journey to Antarctica?

Answer: Through her journey, Tishani Doshi conveys a strong message about the importance of protecting the Earth. She emphasizes that humans are only a small part of nature and that every action we take affects the planet. Antarctica, with its untouched environment, teaches humility and awareness, showing how fragile life and ecosystems are. She warns that deforestation, pollution, and global warming are endangering the Earth's balance. The journey inspires readers, especially students, to respect nature and maintain ecological balance. Her experience shows that understanding the past and current state of our planet is essential for safeguarding the future, making environmental protection a responsibility for all.

अपनी यात्रा के माध्यम से तिशानी दोशी पृथ्वी की सुरक्षा के महत्व का संदेश देती हैं। वे बताती हैं कि मनुष्य प्रकृति का केवल एक छोटा हिस्सा है और हमारी हर क्रिया पृथ्वी को प्रभावित करती है। अंटार्कटिका का अछूता वातावरण विनम्रता और जागरूकता सिखाता है, यह दिखाते हुए कि जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र कितने नाजुक हैं। वे चेतावनी देती हैं कि वनों की कटाई, प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग पृथ्वी के संतुलन को खतरे में डाल रहे हैं। यह यात्रा पाठकों, विशेषकर छात्रों, को प्रकृति का सम्मान करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है। उनका अनुभव दिखाता है कि ग्रह के अतीत और वर्तमान को समझना भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, और पर्यावरण की रक्षा सभी की जिम्मेदारी है।

:: Multiple Choice Questions ::

1. Who took Tishani Doshi to Antarctica?

- A) A family trip **B) "Students on Ice" program** C) Solo expedition D) Research organization

2. What is the main purpose of the "Students on Ice" program?

- A) To climb mountains **B) To study and understand the environment**
C) To write a novel D) To visit tourist places

3. How did Tishani travel to Antarctica?

- A) By train **B) By ship and airplane** C) By car D) By bus

4. What natural phenomenon did she experience in the Drake Passage?

- A) Volcano eruption **B) Rough seas and strong winds** C) Earthquake D) Tsunami

5. Why is Antarctica called a "time machine"?

- A) Because it travels through time **B) Because its ice layers preserve climate history**
C) Because it has old buildings D) Because it is very cold

6. Which animals did the author observe in Antarctica?

- A) Tigers and lions **B) Penguins, seals, and whales** C) Camels and goats D) Elephants and deer

7. What did Tishani learn from observing life in Antarctica?

- A) Life is easy everywhere **B) Life can survive even in extreme conditions**
C) Animals are stronger than humans D) Antarctica is dangerous

8. Which continent was part of Gondwana Land?

- A) Antarctica B) Africa C) India **D) All of the above**

9. What does Antarctica teach humans about nature?

- A) That humans are the strongest B) To travel more C) To exploit natural resources
D) Humility, awareness, and the importance of environmental protection

10. What is the significance of ice layers in Antarctica?

- A) They make the continent beautiful **B) They contain information about past climates**
C) They are used for tourism D) They are very thick

11. What is the main environmental concern highlighted in the story?

- A) Overpopulation **B) Human activities causing climate change and global warming**
C) Wildlife hunting D) Deforestation only in India

12. Which ocean did Tishani cross to reach Antarctica?

- A) Pacific Ocean **B) Indian Ocean and Southern Ocean** C) Atlantic Ocean D) Arctic Ocean

13. What lesson does the story give to students?

- A) To focus only on studies **B) To respect nature and maintain ecological balance**
C) To explore new countries D) To travel alone

14. Why is Antarctica still important for scientific research?

- A) It has no human population **B) It preserves data about Earth's climate and ecosystems**
C) It is very cold D) It is unexplored

15. What does Tishani realize about humans after visiting Antarctica?

- A) Humans control nature **B) Humans are a small part of nature and must protect it**
C) Humans are stronger than animals D) Humans can survive anywhere